(d) whether there is any scheme in operation in Tamil Nadu for the protection of lions and tigers?

THE MINISTER OF STATE FOR ENVIRONMENT AND FORESTS (INDEPENDENT CHARGE) (SHRI KAMAL NATH): (a) Total area of reserve forests in the country is 4,06,119 sq. kms.

(b) Total area of reserve forests in Tamil Nadu is 22,319 sq. kms.

(c) According to the latest census figures, the estimated number of wild animals is 12.725. The census of wild animals is 'undertaken in Wildlife sanctuaries only.

(d) Lions are not found in the wild in Tamil Nadu. Central Assistance under the Bcheme Project Tiger' is provided for development of Kalakad—Mundanthurai Tiger Reserve.

दिल्ली में पर्यावरण पार्क और अनुसंधान केंद्र और विश्व पर्यावरण सूचना केंद्र स्थापित किया जाना

117. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संस्थान की दिल्ली में पर्यावरण पार्क, अनुसंधान केन्द्र और विश्व पर्यावरण सूचना केन्द्र स्थापित करने की कोई योजना है ; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में ब्यौरा क्या है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार (श्री कमल नाथ) : (क) सरकार को इस सम्बन्ध में संस्थान से किसी तरह का कोई प्रस्ताव अथवा सूचना प्राप्त नहीं हुई है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

उत्तर प्रदेश में एशियाई भाषा संस्थान की स्थापना

118. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कुशीनगर, उत्तर प्रदेश में एशियाई भाषा संस्थान की स्थापना करने का कोई प्रस्ताव है ; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) (क) इस समय कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) में एक एशियाई भाषा संस्थान गठित करने का कोई ठोस प्रस्ताव नहीं है । तथापि बुद्धा स्नातकोत्तर कालेज, कुशीनगर (उ० प्र०) के प्रिंसिपल के साथ-साथ वहां के कुछ निवासियों ने ऐसा एक संस्थान गठित करने पर विचार करने के लिए मंत्रालय से अनुरोध किया है ।

(ख) जिन व्यक्तियों ने जिन्होंने उपयुक्त अनुरोध किया था, अपने अनुरोध के समर्थन में स्वेच्छा से पूर्ण ब्यौरे प्रस्तुत करने के लिए इच्छा व्यक्त की थी जो अभी प्राप्त होने हैं ।

बिहार में पुरातत्व संबंधी खुदाई

119. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में चेचर, वैशाली, तथा विक्रमशिला नामक स्थानों पर पुरातत्व सम्बन्धी खुदाई का कितना कार्य हुआ है;

(ख) इन उत्खननों के परिणाम स्वरूप अभी तक क्या तथ्य उभरकर सामने आये हैं; और

(ग) 1991-92 के वर्ष के दौरान बिहार में किन-किन स्थानों पर पुरातत्व संबंधी खुदाई किए जाने का प्रस्ताव है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) चेचर में 1977-78 और 1988-89 के दौरान; वैशाली में 1903, 1913-14, 1950, 1958-62, 1988-89 और 1990-91 में तथा विक्रमशिला में 1962-63 और 1972-1981 में खुदाई-कार्य किया गया था।

(ख) इन उत्खनन-कार्यों के परिणाम इस प्रकार हैं.—

चेचर

चेचर इन उत्खनन-कार्यों से नवपाषाण काल से लेकर कुषाण और गुप्त काल तक की संस्कृति की सिलसिलेवार जानकारी मिली है, कहीं-कहीं सिलसिला टूटा हुआ है। इस स्थल के ऊपरी सतह पर मध्यकालीन चिकना पात्र भी मिला था। सबसे आरंभिक काल से पता चलता है कि उस समय विकसित ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था थी, और उस समय खेती के औजारों और शिकार के हथियारों तथा मिट्टी के पलस्तर से बने टूटते के मकानों का उपयोग होता था। इसके बाद कुषाण और गुप्त कालों की संस्कृति आई जिसमें उत्तर के काले ढ़ग की पालिश वाले बर्तन और बड़ी-बड़ी ईंटों वाले मकान बनाए गए। महत्वपूर्ण पुरावस्तुएं मिली जिनमें पालिश वाले पत्थर और हड्डियों के बने औजार, पत्थर के छोट-छोटे हथियार, सिक्के, मुहरें, ठप्पे, मूर्तियां और मिट्टी के बर्तन शामिल हैं।

वैशाली

सबसे प्राचीन व्यवसाय ईसा-पूर्व प्रथम अर्ध सहस्राब्दी पहले का है और यह मध्य-काल तक जाता है। उत्खनन कार्य से पूजास्थल, स्तूप, मकान, जल-निकास व्यवस्था आदि; और पुरावस्तुएं प्राप्त हुई हैं, जैसे मुहरें, ठप्पे मिट्टी के बर्तन, सिक्के, हड्डी और हाथी दांत की वस्तुएं आदि।

विक्रम शिला

इस खुदाई से एक भव्य बौद्ध महा-विहार परिसर का पता चला है जिसमें विभिन्न प्रकार की पुरा-वस्तुएं मिली हैं, जिनमें मूर्तियां, मिट्टी के बर्तन, शिलालेख आदि शामिल हैं। इसके अलावा, भिक्षु विहार, मठ, तहखाने और विशाल द्वार,, एक जल-निकास व्यवस्था, प्रस्तर स्तूप पानी का एक जलाशय और अन्य ढांचे मिले हैं।

(ग) वर्ष 1991-92 के दौरान खुदाईकार्य केन्द्रीय पुरातत्व सलाहकार मंडल की स्थायी समिति (स्टैंडिंग कमेटी) की सिफारिशों के अनुसार किया जाना है जिसकी बैठक प्रति वर्ष प्राय: सितम्बर में होती है।

कमजोर वर्गों के बच्चों को शिक्षा

120. डॉ० अबरार अहमद : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) देश में गरीबी की सीमा रेखा से नीचे जीवन-यापन कर रहे व्यक्तियों के बच्चों को शिक्षा देने के लिये सरकार की क्या योजना है और उन्हें किस प्रकार शिक्षा तथा अन्य सुविधा प्रदान की जा रही हैं;

(ख) ऐसे बच्चों की राज्य-वार संख्या कितनी है और क्या उन्हें कोई आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है; और

(ग) सरकार ने अब तक कितने बच्चों को "बाल श्रमिक" से "विद्यार्थी" बनाया है और क्या सरकार बाल श्रमिक को विद्यार्थी बनाओ" जैसा कोई नारा देने का विचार रखती है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) से (ग) संवैधानिक निर्देशों में यह कहा गया है कि 14 वर्ष की आयु तक सभी बच्चों को निशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा प्रदान की जाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 में आगे यह भी कहा गया है कि शिक्षा में सभी की न केवल पहुंच के लिए बल्कि सफलता के लिए भी सभी को समान अवसर प्रदान के लिए प्रयास भी किए जाने चाहिए तदनुसार, समानता को बढ़ावा देने तथा विसंगतियों को कम करने के लिए कई कार्यक्रमों को चलाया जा रहा है जो खराब सामाजिक आर्थिक परि-स्थितियों में रह रहें बच्चों तथा काम करने वाले बच्चों के लाभ के लिए होंगे। इन कार्यक्रमों में से मुख्य-मुख्य निम्न-लिखित हैं :–